MASA-06

December - Examination 2025
M.A. (Final) Examination
SANSKRIT
नाटक तथा नाट्यशास्त्र
Paper : MASA-06

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्नपत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) उदयन कहाँ के राजा थे? उनकी राजधानी का नाम लिखिए।
   (ii) ''स्त्री स्वभावस्तु कातरः'' यह कथन किसका है?
   (iii) वासन्ती कौन है?
   (iv) लक्ष्मण के पुत्र का नाम लिखिए।
   (v) रत्नावली नाटिका में उदयन के प्रधान आमात्य कौन हैं?
   (vi) 'नाट्य' शब्द में कौनसी धातु है?
   (vii) दशरूपक के अनुसार नाट्यवृत्तियाँ कितनी हैं?
   (viii) नाट्यशास्त्र में क्रोध किस रस का स्थायीभाव है?

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

   त्वं जीवितं त्वमसि मे हृदयं द्वितीयं
   त्वं कौमुदी नयनयोरमृतं त्वमङ्गे।
   इत्यादिभिः प्रियशतैरनुध्य मुग्धां
   तामेव शान्तमथवा किमतः परेण।।

3. उत्तररामचरितम् नाटक के तृतीय अंक का काव्यात्मक वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

   दुःखं त्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः
   स्मृत्वा स्मृत्वा याति दुःखं नवत्वम्।
   यात्रा त्वेषा यद् विमुच्येह वाष्पं
   प्राप्तानृण्या याति बुद्धिः प्रसादम्।।

5. निम्नलिखित की संस्कृत में व्याख्या कीजिए –

अधिकारः फलस्वाम्यमधिकारी च तत्प्रभुः।
तन्निर्वृतभिव्यापि वृत्तं स्यादाधिकारिकम्।।

अथवा

भारती संस्कृतप्रायो वाग्व्यापारो नटाश्रयः
भेदैः प्ररोचनायुक्तैर्वीथी प्रहसनामुखैः।।

6. रत्नावली नाटिका के आधार पर उदयन का चरित्र चित्रण कीजिए।
7. नाट्यशास्त्र में वर्णित रस स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।
8. दशरूपक के अनुसार नायकभेदोपभेद को समझाइए।
9. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के नामकरण की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. स्वप्नवासवदत्तम् नाटक की पात्र योजना पर लेख लिखिए।
11. ''कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते'' कथन की समीक्षा कीजिए।
12. 'दशरूपकम्' के तृतीय प्रकाश में वर्णित दशरूपकों के स्वरूप पर एक लेख लिखिए।
13. नाट्यशास्त्र में वर्णित रस सूत्र की व्याख्या उत्पत्तिवाद के अनुसार कीजिए।